भारतीय व्यापार और आदिवासी उद्यमिता पर शोध करेगा आइआइएम

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइआइएम रांची अपनी स्ट्रैटेजिक प्लान @ 2030 के तहत विभिन्न सामाजिक विषयों पर प्रभावशाली शोध के लिए तैयार है. संस्थान ने बुधवार को दो शोध विषयों को जारी किया. इसके तहत अब आइआइएम रांची की टीम भारतीय व्यापार प्रणाली और आदिवासी उद्यमिता जैसे विषयों पर शोध करेगी.

निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि यह दोनों विषय पुरातन काल से लोगों के बीच मौजूद हैं, लेकिन इन विषयों पर गंभीर कार्य न होने से लोग आज भी परिचित नहीं हैं. शोध के जरिये लोगों के समक्ष व्यापार की व्यावहारिक जानकारी और जनजातीय अर्थव्यवस्था के सूत्र को पुस्तक के स्वरूप में पेश किया जा सकेगा. **खेती-किसानी और व्यापार अर्थव्यवस्था के सूत्रधार :** प्रो दीपक ने बताया कि शोध के दौरान वैदिक काल से चली आ रही व्यवसाय प्रणाली से लेकर वर्तमान कॉरपोरेट प्रणाली तक प्रचलित व्यावसायिक प्रथाओं पर काम किया जायेगा. इससे वर्तमान समय में स्थापित कंपनियों को व्यापार के लिए जरूरी कानूनी, राजनीतिक और आर्थिक प्रणालियों को समझने का मौका मिलेगा.

समाज को लाभ पहुंचाना है

आदिवासी उद्यमिता पर शोध कार्य बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स करेगा. इसका उद्देश्य आदिवासी उद्यमों को ग्लोबल मार्केट से जोड़ना है. स्थानीय परिवेश में समुदाय आधारित उद्यम और व्यापार के मानकों पर अध्ययन किया जायेगा. साथ ही हाल के दिनों में भीड़ से अलग होकर उद्यमिता के क्षेत्र में स्थापित हो चुके आदिवासी उद्यमियों की सफलता की कहानी से लोगों को प्रेरित किया जायेगा.

Prabhat Khabar, 20.07.2023, Pg. 09